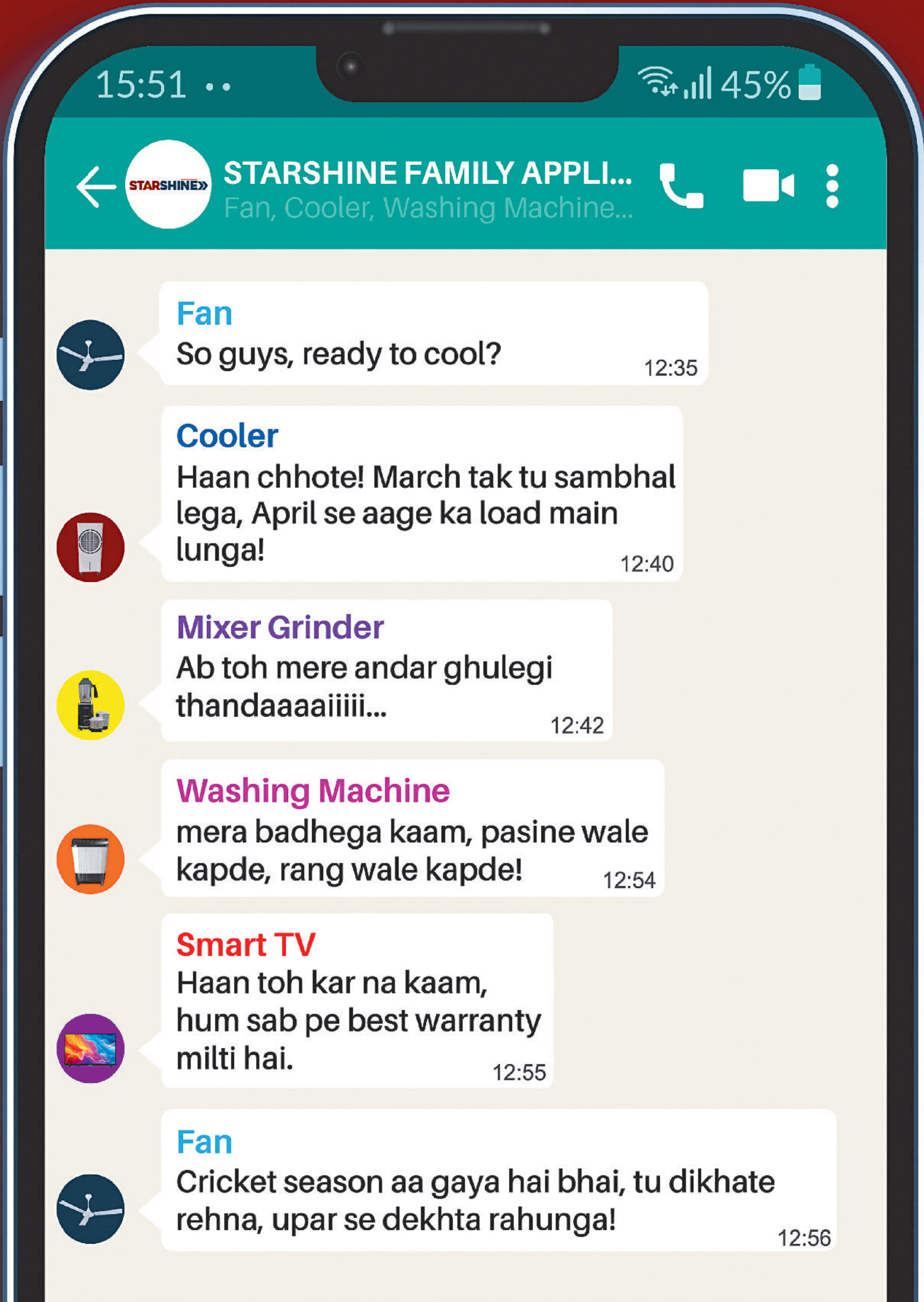




**Bas, Yahi Toh Family Spirit Hai!
Har Season Mein STARSHINE Ka
Har Appliance Champion!**

STARSHINE»

95755 13015

starshine.co.in



Available at leading electronic stores. Also starshine.co.in.



केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पितृशोक, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, छग के मंत्री सहित दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि...

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, छत्तीसगढ़ प्रदेशाध्यक्ष किरणदेव समेत कई वरिष्ठ मंत्री और नेता भुवनेश्वर में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के निवास पहुंचे। सभी ने उनके पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय देवेन्द्र प्रधान के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री कैदर कश्यप, ओपी चौधरी, श्याम बिहारी जायसवाल, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी और विधायक सुशांत शुक्ला ने भी स्वर्गीय देवेन्द्र प्रधान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

खबर संक्षेप

पूर्व सीएम के खेत में चोरी करने वाला गिरफ्तार



भिलाई। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खेत में लगे बोर पंप की केबल वायर को काटकर चोरी कर फरार होने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में केबल वायर जब्त किया है। एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि पाचन निवासी मोहन लाल जांगड़ेपूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खेतों में काम करता है। उसने सिकोला खार के खेत में पानी देने के लिए पाइप को बिछाकर बोर लगाया था। इसके लिए उसने केबल वायर काफी लंबी लगाई थी। 30-31 जनवरी की रात अज्ञात चोर ने केबल वायर के साथ ही सब्बल और डम चोरी कर पांर किया था। शिका.त के बाद पुलिस आरोपियों की खोज में जुटी रही। रविवार 22 मार्च को गश्त के दौरान ग्राम रूही में बाइक 04 पीएल 2279 का चालक सदिग्ध रूप से दिखाई दिया। पुलिस ने बाइक को रोका और उसकी तलाशी ली गई तो उसमें डिककी के भीतर हथौड़ी, पेचकस, आरी पत्ती मिला। संदेह के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम मनोहर मारकंडे होना बताया है।

जमीन बंटवारे को लेकर हमला, तीन गंभीर



भिलाई। परिवार के जमीन बंटवारे को लेकर जमकर चला लाठी, टंगिया चलने का मामला सामने आया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि अदालत लकड़ी मिल के मालिकों अदालत चौहान के 4 बेटे नरेश चौहान, कैलाश चौहान, संजय चौहान, गणेश चौहान हैं। अदालत चौहान की मौत के बाद चारों बेटों में संपत्ति को लेकर विवाद शुरू हो गया। गणेश चौहान के बेटे जितेंद्र चौहान के मुताबिक उनके बीच यह विवाद 15 सालों से चला आ रहा है। उसके पिता के तीन भाई नरेश, कैलाश, संजय चौहान मिलकर उसके पिता को संपत्ति का हिस्सा नहीं देना चाहते हैं।

व्यापारी से लूट, कैमरे से मिला आरोपियों का सुराग राजनांदगांव। शहर के व्यापारी से धमतरी क्षेत्र में हुए लूट के मामले में पुलिस द्वारा संचालित एनपीआर कैमरे से महत्वपूर्ण सुराग मिला है। इस मामले में आरोपी पकड़े गए, जिन पर कार्रवाई की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 22 मार्च को प्रार्थी पुरोषतम साहू निवासी राजनांदगांव द्वारा अपने सेठ सागर गांधी निवासी गंज चौक शांति अपार्टमेंट राजनांदगांव के घर से 20,00,000 रुपए नगद लेकर धमतरी के व्यापारी निर्मल जैन के यहां मारुति सेलरियों कार से ड्राइवर व एक अन्य के साथ छोड़ने के लिए जा रहा था। दोपहर करीब 1.30 बजे ग्राम पोंडियाडीह में एक स्कॉर्पियो वाहन के चालक द्वारा प्रार्थी के गाड़ी को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर रूकवा दी गई।

शिक्षकों के अभाव में नए कालेजों की मान्यता अक्सर आ जाती है खतरे में

नए सरकारी मेडिकल कालेजों में फैकल्टी का अकाल रायपुर समेत छह कालेज में अतिरिक्त पोस्टिंग का बोझ

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

लगातार खोले जा रहे नए सरकारी मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षा विभाग आवश्यकता के अनुसार फैकल्टी की भर्ती नहीं कर पा रहा है। चिकित्सा शिक्षकों के अभाव में इन कालेजों की मान्यता अक्सर खतरे में आ जाती है। दूसरी ओर रायपुर समेत छह शासकीय कालेजों में अतिरिक्त चिकित्सा शिक्षक पदस्थ हैं। कालेजों में सबसे ज्यादा डिमांड प्राध्यापक ही जिससे सबसे ज्यादा 7 शिक्षक जेएन कालेज के 6 विभाग में अपनी सेवा दे रहे हैं।

राज्य में वर्तमान में 10 शासकीय कालेज सक्रिय हैं और आने वाले दिनों में 4 नए कालेज प्रारंभ हो जाएंगे। इन

■ प्राध्यापक की डिमांड ज्यादा रायपुर कालेज में सात शिक्षक अतिरिक्त

समस्या बनी हुई है। चिकित्सकों की कमी के कारण इन कालेजों को मान्यता दिलाने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग को हर बार काफी जोड़ तोड़ करना पड़ता है। राज्य में कुछ कालेजों को छोड़ दिया जाए तो शेष में स्वीकृत पद की तुलना में आधे शिक्षक पदस्थ हैं। दूसरी ओर प्रदेश का सबसे बड़ा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में विभिन्न विभाग में कुल 16 प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक कार्यरत हैं। बिलासपुर शासकीय कालेज में तीनों पदों के कुल 3 अतिरिक्त चिकित्सा शिक्षक पदस्थ हैं। वहीं रायगढ़, कांकेर, कोरबा, महासमुंद के शासकीय मेडिकल कालेज में एक-एक सहायक प्राध्यापक काम कर रहे हैं। जानकार लोगों का कहना है कि इनकी नियुक्ति अगर अन्य कालेजों में की जाती है, तो वहां की स्थिति काफी कुछ सुधार हो सकता है।



जानकारी मांगी गई

जिन कालेजों में अतिरिक्त चिकित्सा शिक्षक कार्यरत हैं उनकी जानकारी मांगी गई है। उनकी नियुक्ति जरूरत वाले मेडिकल कालेजों में किए जाने का प्रयास किया जाएगा।

- डॉ. यूएस पैकरा, संचालक, चिकित्सा शिक्षा

यहां अतिरिक्त चिकित्सा शिक्षक

■ जीएमसी रायपुर- प्राध्यापक- मेडिसीन, ईएनटी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, पैथोलॉजी, निश्चेतना में 1-1 तथा रेडियो डायग्नोसिस विभाग में 2 अतिरिक्त, सह प्राध्यापक- त्वचा रोग, ईएनटी, कर्न्युलिटी मेडिसिन में 1-1 तथा एनाटोमी विभाग में 2 अतिरिक्त, सहायक प्राध्यापक- स्त्री एवं प्रसूति रोग, रेडियोलॉजी में 1-1 तथा पैथोलॉजी में 2 अतिरिक्त।

■ सिम्स बिलासपुर- मेडिसीन में 1 प्राध्यापक,

माइक्रोबायोलॉजी में 1 सह प्राध्यापक, शिशु रोग विभाग में एक सहायक प्राध्यापक अतिरिक्त।

■ रायगढ़ में 1 अतिरिक्त सह प्राध्यापक त्वचा रोग विभाग, कांकेर में फार्मिकोलॉजी विभाग में 1 सह प्राध्यापक, कोरबा में 1 एनाटोमी विभाग में 1 सह प्राध्यापक तथा महासमुंद माइक्रोबायोलॉजी में 1 सह प्राध्यापक अतिरिक्त कार्यरत है।

हाईकोर्ट ने निलंबन अवधि को इयूटी माना शत-प्रतिशत वसूली का आदेश किया रद्द

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कर्मचारी के निलंबन अवधि को इयूटी का हिस्सा माना है। साथ ही राज्य शासन के शत-प्रतिशत वसूली के आदेश को खारिज कर दिया है। दरअसल रायगढ़ वन मंडल में वनपाल पद पर कार्यरत दिनेश सिंह राजपूत ने इस मामले में रिट याचिका दायर की थी। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने याचिका पर सुनवाई की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए निलंबन अवधि को इयूटी का हिस्सा माना। जस्टिस गुरु ने अपने फैसले में कहा कि अनुशासनात्मक प्राधिकारी, समीक्षा प्राधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी ने

निलंबन अवधि को कर्तव्य न मानने की सजा में हस्तक्षेप नहीं किया। यह भेदभावपूर्ण है क्योंकि इसी तरह के अन्य मामलों में निलंबन अवधि को कर्तव्य माना गया था। यह याचिका वनपाल वन मंडल में वनपाल पद पर कार्यरत दिनेश सिंह राजपूत ने इस मामले में रिट याचिका दायर की थी। उन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक के 5 सितंबर 2022 के आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश में बड़े दंड को छोटे दंड में बदला गया था। लेकिन निलंबन अवधि को कर्तव्य नहीं माना गया था। याचिकाकर्ता ने छत्तीसगढ़ राज्य प्रमुख सचिव के उस आदेश पर भी सवाल उठाया था।

वनपाल की याचिका पर हुई सुनवाई

15 दिवसीय विशेष अभियान, हैडपंप और सार्वजनिक नलों की मरम्मत

ग्रीष्मकाल में हर नागरिक को पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता : सीएम

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि ग्रीष्मकाल में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक निर्बाध और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना हमारी प्रामुख्यता है। हमारे लिए सभी विभागों के बीच समन्वय और जनसहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल संकट से निपटने के लिए जल संरक्षण की दिशा में ठोस और निर्णायक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है, जिससे आने वाले समय में प्रदेश जल संकट की किसी भी स्थिति से सुरक्षित रह सके।

मुख्यमंत्री श्री साय मंत्रालय में



आयोजित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जल संसाधन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान प्रदेशभर में पेयजल की समुचित और सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपायों को प्राथमिकता पर क्रियान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों की ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर में पेयजल की उपलब्धता को राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता घोषित किया है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जल संकट की किसी भी संभावना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, ऊर्जा, वन एवं कृषि विभाग को परस्पर तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उत्पन्न हो रही पेयजल समस्याओं के समाधान के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीतियां समान रूप से आवश्यक हैं।

धान में मिट्टी मिलाने के मामले में जांच पूरी, सौपी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ►► गिलाई

कोडिया धान संग्रहण केंद्र में धान में मिट्टी मिलाए जाने के मामले की जांच पूरी हो गई है। खाद्य विभाग और मार्कफेड के अधिकारियों की टीम ने स्थल पर पहुंचकर मौके पर मौजूद सारे जिम्मेदार कर्मचारियों और अधिकारियों का बयान लिया है। बयान में धान में मिट्टी मिलाए जाने की बात सामने आई है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की गई है। खबर है

कि खाद्य विभाग ने जांच रिपोर्ट कलेक्टर अभिजीत सिंह को सौंप दी है। हालांकि कलेक्टर ने रिपोर्ट का अवलोकन नहीं किया है। उन्होंने इस मामले में रिपोर्ट के अवलोकन के बाद दोषियों पर कार्रवाई की बात कही है। बता दें कि दुर्ग जिले के कोडिया धान संग्रहण केंद्र में पांच दिन पहले अनोखा घोटाला सामने आया था। हरिभूमि ने इस पूरे मामले में खुलासा किया था। कोडिया संग्रहण केंद्र में वजन बढ़ाने के लिए मिट्टी मिलाई जा रही थी। मौके पर नियमित रूप से मिट्टी से भरे हाड़वा पहुंच रहे थे। इसका स्थानीय कर्मचारियों ने वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ था। जब संग्रहण केंद्र के अधिकारियों से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मिट्टी पोथे लगाने के लिए मंगाई गई है, लेकिन वहां एक भी पोथा नहीं दिखा। मार्कफेड के अधिकारी भी चुप्पी साधे रहे। बाद में कलेक्टर के निर्देश पर इस पूरे मामले में जांच शुरू हुई।

संग्रहण केंद्र के कर्मियों का बयान लिया गया है। जांच पूरी कर ली गई है। अवलोकन के बाद जो भी दोषी पाया जाता है, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

-अभिजीत सिंह, कलेक्टर दुर्ग

सौपी गई रिपोर्ट

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने इस मामले में जांच की है। उन्होंने संग्रहण केंद्र में मौजूद सारे कर्मियों का बयान लिया है। वायरल वीडियो का भी परीक्षण किया है। रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी गई है।

भौमिक बघेल, डीएमओ

यूजीसी नियमों की अनदेखी, अटल यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर की भर्ती पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी में यूजीसी के नियमों को दरकिनार कर प्रोफेसर की भर्ती पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। मामले में यूनिवर्सिटी को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है। याचिका में नियुक्ति में यूजीसी नियमों की अनदेखी करते हुए अयोग्य उम्मीदवारों को साक्षात्कार की अनुमति दिए जाने की बात कही गई है। दरअसल, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर (कॉमर्स) के पद पर नियुक्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। डा. राजेश कुमार शुक्ला ने भी भर्ती के लिए आवेदन किया। उन्होंने अपने वकील के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।



प्राइवेट कॉलेज के प्रोफेसर को किया शामिल

याचिका के अनुसार अगर कोई आवेदक निजी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से है, तो उसका शैक्षणिक अनुभव तभी मान्य होगा जब उसकी नियुक्ति संवैधानिक चयन समिति के माध्यम से हुई हो लेकिन, यूनिवर्सिटी ने बिना नियम के प्राइवेट कॉलेज के प्रोफेसर को भर्ती प्रक्रिया में शामिल कर लिया है। यह यूजीसी रेग्युलेशन 2018 का उल्लंघन है।

जल संरक्षण के उपायों को दें बढ़ावा

जल संरक्षण के प्रभावी उपायों जैसे रिवर्ज पिट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और सौर ऊर्जा आधारित पंपों को तेजी से बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही, उन्होंने भूजल के अनिवारित दोहन पर सख्त निगरानी रखने और कम जल-खपत वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहन देने के निर्देश दिए, जिससे जल संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

वन्य प्राणियों के लिए जल उपलब्ध हो

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के पर्वतीय और मैदानी दोनों क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इसके लिए स्थानीय भू-प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण उपायों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने वन्य प्राणियों के लिए गर्मी के मौसम में जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी स्पष्ट निर्देश दिए।

चिंतन

वर्ष के अंत तक टीबी उन्मूलन लक्ष्य कटिन

आज 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस के मौके पर भारत में इस रोग के उन्मूलन की स्थिति की विवेचना जरूरी है। प्रति वर्ष टीबी (क्षय रोग) से 3.20 लाख भारतीयों की मौत होती है। भारत दुनिया में सबसे अधिक ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) प्रभावित देशों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, भारत में हर तीन मिनट में दो लोगों की मौत टीबी के कारण होती है। भारत सरकार लंबे समय से टीबी उन्मूलन का अभियान चला रही है। डब्ल्यूएचओ की 'ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024' के अनुसार, 2015 से 2023 के बीच भारत में टीबी मामलों में 17.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो वैश्विक औसत 8.3% की तुलना में दुगुनी से भी अधिक है। इसके बावजूद चालू वर्ष 2025 के अंत तक क्षय रोग के उन्मूलन का लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं लगता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, जो वैश्विक लक्ष्य (2030) से पांच साल पहले का है। विश्व के मल्टीड्रग-रेजिस्टेंट टीबी के 62 फीसदी मरीज भारत में हैं। पिछले छह महीनों में किए गए सर्वे के देश में अनुसार 21% बच्चे (16 वर्ष तक) और 14% वयस्क मामलों में टीबी की पुष्टि हुई है। वहीं, लेटेस्ट टीबी (जो शरीर में मौजूद होती है लेकिन सक्रिय नहीं होती) के लिए आईजीआरए जांच में 23% बच्चों और 43% वयस्कों में संक्रमण पाया गया। भारत में टीबी के बढ़ते मामलों के मुख्य कारण जानकारी का अभाव, कुपोषण, रहन-सहन में स्वच्छता की कमी आदि हैं। कमजोर इम्युनिटी वाले लोग इस बीमारी की चपेट में जल्दी आते हैं। पल्मोनरी टीबी (फेफड़ों में संक्रमण) के अलावा टीबी बैक्टीरिया ब्लड सर्कुलेशन के माध्यम से शरीर के अन्य अंगों में फैलने वाले एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी भी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। जल्द जांच और प्रभावी इलाज इससे मुक्ति के उपाय हैं। टीबी की निगरानी और स्क्रीनिंग को और मजबूत किया जाए। टीबी निदान के लिए ट्रिपल-लेयर सत्यापन प्रणाली लागू की जाए। स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाए जाएं ताकि शुरुआती चरण में ही टीबी की पहचान हो सके। सरकार की पोषण सहायता योजना के तहत अप्रैल 2018 से हर टीबी मरीज को 500 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं, पर राशि कम है और योजना का क्रियान्वयन प्रभावी नहीं है। सरकार मुक्त में दवा भी देती है। सीएजी के मुताबिक, 2018-19 से 2022-23 के बीच कुल 2.60 लाख टीबी मरीजों को 72.24 करोड़ का भुगतान बकाया रहा (नवंबर 2022 तक)। टीबी) एक संक्रामक बैक्टीरियल बीमारी है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होती है। आमतौर पर यह बीमारी फेफड़ों को प्रभावित करती है। यह शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकती है। टीबी पीड़ित मरीज के बोलने, खांसने या छींकने के दौरान मुंह या नाक से निकलने वाली ड्रॉपलेट्स से स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो सकता है। दुनिया के कुल टीबी मामलों का लगभग 26 प्रतिशत भारत में हैं। समय पर टीकाकरण, संतुलित आहार, मास्क का उपयोग और टीबी मरीज से दूरी बनाए रखना, संक्रमण के खतरे को कम करने में मदद करता है।। टीबी का अधूरा इलाज न केवल मरीज के लिए खतरनाक होता है, बल्कि यह बीमारी को और भी घातक बना सकता है। इसलिए पूर्ण इलाज जरूरी है। भारत सरकार राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम चला रही है, इसमें जांच व इलाज नि:शुल्क है। टीबी उन्मूलन को दिशा में तेजी से प्रयास करने की जरूरत है।

मौसम सुशील देव



गर्मी बढ़ने के साथ संकट में घिरने लगी है दिल्ली

पार्यावरणीय असंतुलन और लगातार मौसम में अप्रत्याशित बदलाव की वजह से दिल्ली में गर्मी की आशंका अभी से सताने लगी है। आने वाले दिनों में दिल्ली के तापमान में ज्यादा वृद्धि होने की संभावना है। मौसम विज्ञानी मानते हैं कि 21 मार्च 2025 से आसमान साफ होने और चटक धूप पड़ने से गर्मी बढ़ेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि, फिलहाल दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के कारण लोगों को भीषण गर्मी से फिलहाल राहत है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों के बाद से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि शुरू होगी, जिससे मार्च महीने के आखिर तक गर्मी का असर बढ़ेगा। इसलिए जल्द ही दिल्लीवासियों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। कहते हैं कि दिल्ली की गर्मी और सर्दी बहुत भयंकर होती है। ऐसे में दिल्ली सरकार पहले से ही सचेत रहना चाहिए। दिल्ली देश की राजधानी है, उस हिसाब से केंद्र सरकार का भी कर्तव्य बनता है कि गर्मी से बचाव के लिए ठोस इंतजाम करना चाहिए। दिल्ली में गर्मी बढ़ने के साथ ही बढ़ जाती है, पीने के पानी की समस्या। ज्यादातर जगहों पर तो गंदे पानी की समस्या बनी रहती है। ऐसे में जीवन के इस महत्वपूर्ण आवश्यकताओं के मद्देनजर पहले दिल्लीवासियों को साफ पानी की सप्लाई सबसे बड़ा मुद्दा होता है। इस बार भी यही होना है। हर गर्मी में वहां जल संकट की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे निपटने में सरकार असफल हो जाती है। इतना ही नहीं, गर्मी के दौरान कई इलाकों में पानी की भारी कमी होती है, वहीं टैंकरों की आपूर्ति में देरी होती है या भ्रष्टाचार के कारण पानी जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाता। इसलिए पानी की कमी वाले इलाकों में टैंकरों से लोगों तक पानी पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही, सार्वजनिक स्थलों पर ठंडे पानी की टैंकियां लगाने की योजना या तो अधूरी रह जाती है या ठीक से लागू नहीं होती। दिल्ली सरकार ने पिछले साल गर्मियों में कई उपाय नहीं कर पाई थीं। इनमें राजधानी शहर के अंदर पर्याप्त कूलिंग शेल्टर नहीं तैयार होना प्रमुख रहा। ज्ञात हो कि सार्वजनिक स्थानों पर कूलिंग शेल्टर यानी डेंडी छांव, जल सेवा केंद्र, शीतल स्थल बहुत कम हैं। बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन और बाजारों में छायादार व्यवस्था की कमी है, जिससे लोग लू का शिकार हो जाते हैं। गर्मियों में एयरकंडीशनर, कूलर और पंखों की जरूरत बढ़ जाती है लेकिन बार—बार बिजली की कटौती होने से भी यहां के निवासियों की समस्याएं बढ़ जाती हैं। हालांकि, बिजली कंपनियों ने दावा किया है कि इस बार बिजली कटौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। गर्मियों में इसबार बिजली की मांग रिकार्ड तोड़ रह सकती है। यह करीब 9 हजार मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है।बीआरपीएल के क्षेत्र में 4 हजार मेगावाट, बीवाईपीएल के क्षेत्र में 1900 मेगावाट और टीपीडीडीएल के क्षेत्र में 2562 मेगावाट तक जा सकती है। पिछले साल दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग 8656 मेगावाट रही थी। दिल्ली सरकार को कल-कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए विशेष राहत प्रदान करने वाली नीतियां बनानी चाहिए। गर्मी के समय में इनके काम के घंटे कम करने या सुरक्षा उपाय देने पर जोर दिया जाना चाहिए। पिछले साल भी इस संदर्भ में ठोस कदम नहीं उठाए गए। लोगों में गर्मियों के प्रति जागरूकता भी बहुत जरूरी है। लोगों को हीट वेव से बचने के उपाय बताते के लिए बढ़ पैमाने पर टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया पर जागरूकता अभियान चलाने चाहिए थे, लेकिन प्रभावी रूप से ऐसा नहीं किया गया। साथ ही, हीट वेव के लिए कोई एस्पएमएस अलर्ट सिस्टम नहीं बनाया गया जिससे लोग समय रहते सावधान हो सके। सरकार को दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य प्रति भी चिंता कम रही। हीट स्ट्रोक से निपटने के उपायों के तहत अस्पतालों में विशेष वार्ड और आपातकालीन सेवाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं थीं। एम्बुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की कमी के कारण लू से पीड़ित लोगों को समय पर मदद नहीं मिल पाई। कुल मिलाकर दिल्ली सरकार ने कुछ प्रयास जरूर किए, लेकिन वे पर्याप्त नहीं थे। अगर सही योजना और क्रियान्वयन होना, तो गर्मी से होने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता था। दिल्ली सरकार को गर्मियों से बचने के लिए हरियाली को बढ़ावा देना चाहिए। इस दिशा में पेड़ों की कटाई पर सख्त प्रतिबंध के साथ नई हरियाली लगाने की गति को तेज करना चाहिए। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए जाएं। सरकारी भवनों, बस स्टॉप और मुख्य सड़कों पर ग्रीन कवर विकसित किया जाना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



विश्लेषण

प्रो. अश्वनी महाजन

डब्ल्यूटीओ के गठन से होने वाले लाभों और उसके कारण वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही को देखते हुए अधिकांश अर्थशास्त्री नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को वरदान के रूप में बताते रहे । लेकिन वैश्वीकरण के उस दौर में ‘गेट ’ के तहत किए गए नए समझौतों से होने वाले नुकसानों का या तो ठीक से अध्ययन नहीं किया गया या फिर उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया । लेकिन पिछले 8 वर्षों से, जब से डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभाला है, तब से वैश्विक व्यापार के संचालन का एक प्रमुख साधन डबल्यूटीओ अपनी चमक खोता जा रहा है । यूएस की विश्व व्यापार संगठन में कोई रुचि नहीं रह गई है ।

90 के दशक में वैश्वीकरण के प्रतीक के रूप में डबल्यूटीओ का जन्म हुआ। कहा गया कि दुनिया एक गांव की तरह है, इसलिए न केवल वस्तुओं और सेवाओं बल्कि पूंजी का भी निर्बाध मुक्त प्रवाह सुनिश्चित किया जाना चाहिए; ताकि सभी देशों के लोगों को सबसे सस्ती वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। यह भी कहा गया कि पूंजी का मुक्त प्रवाह और पर्याप्त उपलब्धता विकासशील देशों में भी विकास को संभावनाओं को बेहतर बनाएगी।

डबल्यूटीओ की खासियत यह थी कि इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संचालन को नियम-आधारित बनाया गया। यानी अगर कोई देश डबल्यूटीओ के समझौतों के मुताबिक व्यवहार नहीं कर रहा है, यानी डबल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ विदेशों से आने वाले सामानों पर ज्यादा टैरिफ लगा रहा है या बाधाएं या अवरोध लगा रहा है, तो उस देश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, शुरू से ही विकासशील देश डब्ल्यूटीओ के कथित लाभों को लेकर आशंकित थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि वे टैरिफ और अन्य प्रकार की बाधाओं के माध्यम से अपने उद्योगों और कृषि को विदेशी देशों से अत्यधिक सब्सिडी वाले कृषि उत्पादों से होने वाली प्रतिस्पर्धा से ठीक से बचा नहीं पाएंगे। इतना ही नहीं, ट्रिप्स, ट्रिप्स, सेवाओं और कृषि, खासकर स्वास्थ्य सुरक्षा, कृषि और किसानों की सुरक्षा और उनके उद्योगों को सुरक्षा से जुड़े समझौतों से होने वाले दुष्प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाना अब संभव नहीं होगा।

डब्ल्यूटीओ के गठन से होने वाले लाभों और उसके कारण वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही को देखते हुए अधिकांश अर्थशास्त्री नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यापार को वरदान के रूप में बताते रहे। लेकिन वैश्वीकरण के उस दौर में ‘गेट’ के तहत किए गए नए समझौतों से होने वाले नुकसानों का या तो ठीक से अध्ययन नहीं किया गया या फिर उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। लेकिन पिछले 8 वर्षों से, जब से डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभाला है, तब से वैश्विक व्यापार के संचालन का एक प्रमुख साधन डबल्यूटीओ अपनी चमक खोता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही जो फैसले लिए हैं, उनसे डबल्यूटीओ के पतन की गति और तेज हो गई है। पूरी दुनिया में डबल्यूटीओ के भविष्य को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि जो लोग डबल्यूटीओ को मानव कल्याण, विकास और सुचारु विश्व व्यापार का प्रतीक मानते थे, वे अब इस बात पर बहस कर रहे हैं कि डबल्यूटीओ कितनी जल्दी खत्म हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि विश्व व्यापार संगठन

पंगु हो चुका डब्ल्यूटीओ बच पाएगा ?

अब पंगु हो चुका है। विश्व व्यापार संगठन के पंगु होने की प्रक्रिया डबल्यूटीओ के दोहा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में शुरू हुए दोहा विकास दौर से शुरू हो गई थी। दोहा सम्मेलन में विकासशील देशों ने यह मुद्दा उठाया कि चूंकि विकसित देश आर्थिक रूप से मजबूत हैं, इसलिए असमान व्यापार के कारण विकासशील देशों में विकास प्रक्रिया बाधित होती है। इसलिए विकासशील देशों के विकास को गति देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों में संशोधन किए जाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही डबल्यूटीओ में दोहा विकास दौर की वार्ता शुरू हो गई। विकसित देशों की इसमें कोई रुचि नहीं थी और उनकी उदासीनता के



कारण दोहा विकास दौर बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गया। भारत समेत विकासशील देश डबल्यूटीओ में जो कुछ हो रहा था, उससे स्पष्ट रूप से निराश थे।

यही नहीं कि विकसित देश विकासशील देशों की समस्याओं के प्रति उदासीन थे, अमेरिका को यह लगने लगा था कि उस डबल्यूटीओ से वह सब मिल गया है जो वह चाहता था। उनके कॉरपोरेट अब पहले से कहीं अधिक रॉयल्टी और तकनीकी शुल्क प्राप्त कर रहे हैं, क्योंकि डबल्यूटीओ की स्थापना के बाद बौद्धिक संपदा व्यवस्था ने ज्यादातर अमेरिका की कंपनियों को रजिजोह दी, जिनके पास अधिकांश पेटेंट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार थे। अमेरिकी कंपनियों को विकासशील देशों में निवेश करने के भरपूर अवसर मिले और अमेरिकी कृषि उत्पादों को विकासशील देशों में अभूतपूर्व बाजार पहुंच मिलनी शुरू हो गई। लेकिन 2001 में चीन के डबल्यूटीओ में प्रवेश और उसके आर्थिक उथ्थान के बाद, चीनी माल ने अमेरिकी बाजारों पर कब्जा करना शुरू कर दिया और अमेरिका को चीन के साथ विदेशी व्यापार में भारी व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा। अमेरिका ने यह अब यह शिकायत करना शुरू कर दिया कि डबल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली के कारण, वह अन्य सदस्य देशों के साथ

मन की कड़वाहट मिटाने से समरसता आएगी

हम अपने सोच व विचारों से अपना ऊर्जा क्षेत्र बनाते हैं। हमारे संकल्पों की गुणवत्ता ऊर्जा क्षेत्र की गुणवत्ता निर्धारित करती है। उस ऊर्जा क्षेत्र से हम अपने आपको अलग नहीं कर सकते। उसके सकारात्मक व नकारात्मक प्रकंपन को हम हमेशा साथ लेकर चलते हैं, चाहे घर में प्रवेश करते हुए अथवा घर से बाहर निकलते हुए। जब किसी के बारे में हम अच्छा सोचते हैं और उसके प्रति हमारे विचारों को शुद्ध, सुंदर व सकारात्मक रखते हैं, तो स्वाभाविक है कि हम उसे एक प्रकार से आशीर्वाद देते हैं। आशीर्वाद देने का यह मतलब नहीं कि हम केवल औपचारिक रूप में शुभकामनाएं देते हैं। अगर हमारे पास किसी के लिए उपहार लेने के लिए पैसे नहीं हैं, तो हमारी ओर से उनके लिए सबसे बड़ा उपहार यही होगा कि हम उनके घर-परिवार को आशीर्वाद दें। सामान्यतः दूसरों के लिए हम अपने सोच के साथ बोल को ध्यान में रखते हैं। भले ही हम उस व्यक्ति के लिए मन में नकारात्मक भावनाएं रखते हों, पर एक पल के लिए उसे बधाई भी देते हैं। इसका मतलब है, हम उसके लिए मन में अच्छा सोच भी पैदा कर सकते हैं। संबंधों का अर्थ ही है संकल्प रूपी ऊर्जा का आदान-प्रदान करना। मैं आपके बारे में जो सोचती हूं, वह आप तक पहुंचता है। आप मेरे बारे में जो सोचते हैं, वह मुझ तक पहुंचता है-यही हमारे संबंधों का आधार बनता है। यदि मैं आपके बारे में अच्छा सोच नहीं रखती और आपके लिए अच्छे काम करती हूं, तो मैं कितनी भी कोशिश क्यों न करूं, हमारे संबंध का नींव कभी मजबूत नहीं होगा।



करंट अफेयर

अदालत ने हान के खिलाफ महाभियोग किया खारिज

दक्षिण कोरिया की संवैधानिक अदालत ने देश के प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को सोमवार को खारिज कर दिया और देश के दूसरे नंबर के नेता को कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में बहाल कर दिया लेकिन राष्ट्रपति यून यूक येओल के खिलाफ महाभियोग पर अभी फैसला नहीं सुनाया गया है । पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के कारण यून के खिलाफ ‘नेशनल असेंबली’ द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद हान कार्यवाहक राष्ट्रपति बने थे । देश में मार्शल लॉ लागू किए जाने के कारण एक बड़ा राजनीतिक संकट पैदा हो गया था । विपक्षी सांसदों के साथ राजनीतिक संघर्ष के बाद सदन में दिसंबर के अंत में हान के खिलाफ भी महाभियोग का प्रस्ताव पारित किया गया । संवैधानिक अदालत ने सोमवार को कहा कि उसने हान के खिलाफ महाभियोग को रद्द करने का फैसला किया है, लेकिन यून के खिलाफ महाभियोग पर अभी फैसला आना बाकी है । अगर अदालत यून के खिलाफ महाभियोग को बरकरार रखती है तो दक्षिण कोरिया को नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव कराना होगा । अगर अदालत उनके पक्ष में फैसला सुनाती है तो यून को पद पर बहाल कर दिया जाएगा और उन्हें राष्ट्रपति पद की शक्तियां वापस मिल जाएंगी ।



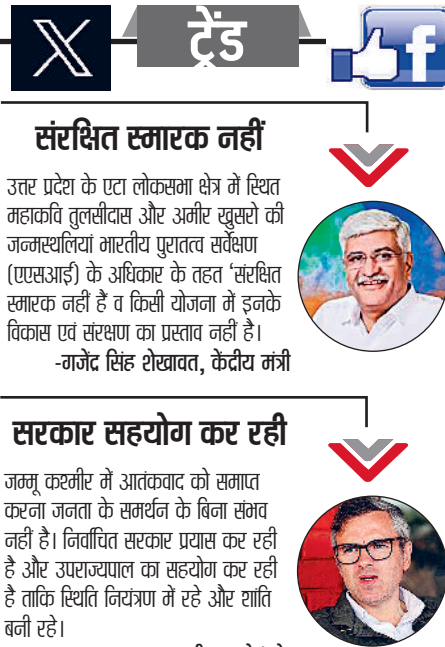
के अमाइलॉइड-बीटा को मापने हैं : अमाइलॉइड-बीटा 42 और अमाइलॉइड-बीटा 40 । फिर इन दो प्रोटीनों के बीच अनुपात की गणना की जाती है । यह अनुपात जितना कम होगा, व्यक्ति में अमाइलॉइड प्लाक और इसलिए अल्जाइमर रोग होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी । ऐसा ही एक परीक्षण, प्रीसीविटीएडी, डॉक्टरों द्वारा अमेरिका में अल्जाइमर के लक्षण प्रदर्शित करने वाले लोगों में उपयोग करने के लिए अनुमोदित किया गया है, और इसे यूरोपीय संघ में उपयोग के लिए सुरक्षित माना गया है ।

बहरूपियों से हमेशा सतर्क और सावधान रहें



संकलित प्रेरणा

एक कबूतर और एक कबूतरी एक पेड़ की डाल पर बैठे थे। उन्हें बहुत दूर से एक आदमी आता दिखाई दिया। कबूतरी के मन में कुछ शंका हुई और उसने कबूतर से कहा कि चलो जल्दी उड़ चले नहीं तो ये आदमी हमें मार डालेगा। कबूतरने लंबी सांस लेते हुए आराम के साथ कबूतरी से कहा: भला उसे ध्यान से देखो तो सही, उसके कपड़े देखो, चेहरे से भोलापन टपक रहा है, ये हमें क्या मारेगा, बिलकुल सज्जन पुख लग रहा है। कबूतर को बात सुनकर कबूतरी चुप हो गई। जब वह आदमी उनके पास आया तो अचानक उसने अपने वस्त्र के अंदर से तीर कमान निकाला और झट से कबूतर को मार दिया। और बेचारे उस कबूतरके वहीं प्राण पखेरू उड़ गए। अहसास कबूतरी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई और बिलखने लगी। उसके बाद वह कबूतरी रोती हुई अपनी परियाद लेकर राजा के पास गई और राजा को उसने पूरी घटना बताई। तुरंत शिकारी को पकड़ कर दरबार में लाया गया। शिकारी ने डर के कारण अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उसके बाद राजा ने कबूतरी को ही उस शिकारी को सजा देने का अधिकार दे दिया। कबूतरी ने बहुत दुःखी मन से कहा कि: मेरे विचार से इस क्रूर शिकारी को बस इतनी ही सजा दी जानी चाहिए कि अगर वो शिकारी है तो उसे हर समय शिकारी वाले कपड़े पहनना चाहिए। ये अच्छे व्यक्ति वाले कपड़े उतार दे क्योंकि अच्छे व्यक्ति वेल कपड़े पहन कर धोखे से धिनौने कर्म करने वाले सबसे बड़े नीच होते हैं।



उत्तर प्रदेश के एटा लोकसभा क्षेत्र में स्थित महाकवि तुलसीदास और अमीर खुसरो की जन्मस्थलियां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार के तहत 'संरक्षित स्मारक नहीं' है व किसी योजना में इनके विकास एवं संरक्षण का प्रस्ताव नहीं है -
-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री

सरकार सहयोग कर रही
जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त करना जनता के समर्थन के बिना संभव नहीं है। निर्वाचित सरकार प्रयास कर रही है और उपराज्यपाल का सहयोग कर रही है ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे और शांति बनी रहे।
-उमर अब्दुल्ला, सीएम, जेएडके

नारायण गुरु के विचार अहम
शिक्षा के माध्यम से प्रबुद्ध बने, संगठन के माध्यम से मजबूत बने, और कड़ी मेहनत के माध्यम से समृद्ध बने। - श्री नारायण गुरु के विचार। गुरु ने पिछली सदी में जाति व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया था।
-राजीव चंदशेखर, पूर्व केंद्रीय मंत्री

भाजपा का फर्जी मुद्दा
भाजपा आज संसद को स्थगित कराने के लिए कान्टिक के मुर्दिलेन आस्थाण और शिवकुमार के कथित बयान के रूप में एक पूरी तरह से फर्जी मुद्दा लेकर आई, ताकि न्यायमूर्ति वर्मा प्रकरण पर चर्चा न हो।
-जयराज रमेश, कांग्रेस महासचिव

अपने विचार हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स :
0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से :
hbcgpatti@gmail.com पर भेज सकते हैं।

विचार हरिभूमि

13 अरब प्रकाश वर्ष दूर आकाशगंगा में मिली हैरान करने वाली चीज

वॉशिंगटन। ब्रह्मांड रहस्यों से भरा हुआ है। इन रहस्यों को अभी तक वैज्ञानिक भी नहीं समझ पाए हैं। इनके बारे में जानकारी हासिल करने के लिए वो सालों से शोध कर रहे हैं। बिग बैंग के बाद सिर्फ 30 करोड़ साल में बनी आकाशगंगा JADES-GS-z14-0 में भारी मात्रा में ऑक्सीजन मिली है। इस आकाशगंगा में ऑक्सीजन की भारी मात्रा ने वैज्ञानिकों को हैरान कर रही है, क्योंकि उनकी सोच थी कि हाइड्रोजन और हीलियम के अलावा अन्य तत्व का इतनी जल्दी निर्माण नहीं हो सकता है।



हैरान करने वाला है आकाशगंगा का विकास

नौदरलैंड्स के लीडेन ऑब्जर्वेटरी के कॉस्मोलॉजिस्ट चैंडर शाउस ने बताया कि यह उसी तरह जैसे कि हम एक ऐसे स्थान पर किशोर को पाते हैं, सिर्फ शिशुओं की उम्मीद करते हैं। आकाशगंगा का निर्माण बेहद तेजी से

हुआ है और तेजी से परिपक्व भी हो रही है, जो बेहद हैरान करने वाला है। उनका कहना है कि हमारे ब्रह्मांडीय मॉडलों के लिए JADES-GS-z14-0 का अस्तित्व एक परेशानी है, क्योंकि हमें लगता है कि आकाशगंगाओं के विकास में बहुत अधिक समय लगता है। यह आकाशगंगा इतनी दूर है कि इसे देखने के लिए यह बहुत बड़ी और चमकीली रोशनी की जरूरत है।

कैसे होता है ऑक्सीजन का निर्माण?

तारों के कोर में हाइड्रोजन के संलयन से ऑक्सीजन बनता है। इस प्रक्रिया में बहुत ज्यादा समय लगता है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने साल 2024 में गैलेक्सी JADES-GS-z14-0 की खोज की थी। इसकी रोशनी धरती पर पहुंचने में करीब 13.4 अरब साल का समय लगा। अल्मा ने इस आकाशगंगा में ऑक्सीजन की भारी मात्रा की खोज की थी।



वैज्ञानिकों के लिए पहली है आकाशगंगा का विकास

इस खोज में हमारे ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास के बारे में समझ को बदलने की क्षमता है। वैज्ञानिकों को अब यह समझने और जानने की जरूरत है कि आखिर इतनी जल्दी ऑक्सीजन का निर्माण कैसे हुआ। साथ ही इस आकाशगंगा का विकास इतनी जल्दी कैसे हुआ। ब्रह्मांडीय मॉडलों के लिए यह आकाशगंगा है एक समस्या : हाइड्रोजन और हीलियम से भारी तत्वों के बने में काफी समय लगता है। बिग बैंग में हमारे जैसा ब्रह्मांड पहली बार अस्तित्व में आया, तो सबसे पहले बने तत्व हाइड्रोजन और हीलियम थे।



का कंकाल दिखा, जिसे लोग जलपरी से भी जोड़ रहे हैं। फोटो वायरल होने के बाद कुछ लोगों का दावा है कि ये जलपरी का कंकाल है तो कई लोग कह रहे हैं कि ये एलियन है। हालांकि, असल में ये चीज है क्या? कोई नहीं जानता है।

आसमान में बाज ने ड्रोन को बनाया अपना शिकार

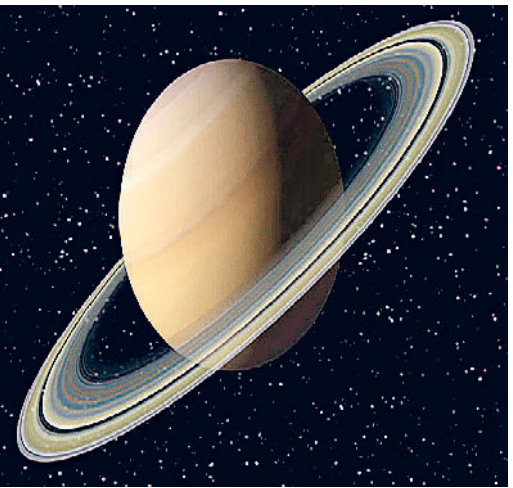


लंदन। प्रकृति और तकनीक, दोनों की अपनी ताकत और सीमाएं हैं, लेकिन कई बार ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं, जो साबित करते हैं कि प्रकृति की विशालता के सामने तकनीक की कोई विसात नहीं है। ऐसा ही एक हैरान करने वाला उदाहरण इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक फोटो में एक बाज आसमान में उड़ रहे ड्रोन को अपने मजबूत पंजों में जकड़ लेता है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं। यह फोटो प्रकृति की ताकत और तकनीक की सीमाओं को साफ तौर पर दर्शा रही है। लोगों की प्रतिक्रिया : सोशल मीडिया पर इस फोटो को लेकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'प्रकृति की ताकत के आगे तकनीक की क्या विसात! बाज ने तो ड्रोन को पलभर में शिकार बना लिया।' एक अन्य यूजर ने मजाक में कहा, 'लगता है बाज को ड्रोन से टक्कर लेने की आदत हो गई है, उसने सोचा कि यह उसका इलाका है!'

पोस्ट में क्या है?

फोटो में दिखाया गया है कि एक ड्रोन आसमान में ऊंचाई पर है और उस ड्रोन को एक बाज ने अपने मजबूत पंजों में जकड़ा हुआ है। यह फोटो देखकर ऐसा लगता है जैसे बाज इस ड्रोन को अपना शिकार समझकर इसपर हमला किया है। यह नजारा ऐसा है, मानो बाज ने ड्रोन को एक असली शिकार की तरह पकड़ लिया हो। यह फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसे देखकर हैरानी जता रहे हैं। यह फोटो प्रकृति और तकनीक के बीच के अंतर को साफ तौर पर दिखाती है। बाज एक शिकारी प्रवृत्ति का जीव है, इंटरनेट पर बाज की नजर और इसके शिकार के कई उदाहरण मिल जायेंगे। अक्सर ऐसे भी वीडियो वायरल होते हैं जिसमें बाज के शिकार करने के कारनामे देखने को मिलते हैं। अगर यह घटना थोड़ी अलग है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि तकनीक भले ही कितनी उन्नत हो जाए, लेकिन प्रकृति की ताकत के सामने उसकी सीमाएं साफ दिखाई देती हैं। ड्रोन, जो मानव की तकनीकी तरक्की का प्रतीक है, बाज की ताकत के आगे बेबस नजर आ रहा है। यह फोटो उन लोगों के लिए भी एक सबक है, जो तकनीक के ढम पर प्रकृति को हल्के में लेते हैं।

आसमान में दिखेगा अजूबा ‘गायब’ हो जाएगी शनि ग्रह की रिंग क्यों होगा ऐसा?



वॉशिंगटन। शनि ग्रह को खूबसूरत बनाने वाले उसके छल्ले अब अदृश्य हो जाएंगे। सौरमंडल में शनि ग्रह के चारों ओर चक्कर लगाने वाले छल्ले शनि ग्रह की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं, इन्हीं छल्लों की वजह से शनि ग्रह को आसानी से पहचाना जा सकता है, लेकिन अब इस बीच इन्हें लेकर हैरान करने वाला खुलासा हुआ है कि यह छल्ले गायब होने वाले हैं। क्या सच में ऐसा होने वाला है। आइए जानते हैं पूरी बात. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शनि, हमारे सौर मंडल में सूर्य से छठा ग्रह है, जो अपने छल्लों की वजह से बहुत ही अधिक फेमस है। अरबों बर्फीले कणों और छोटे चट्टान के टुकड़ों से मिलकर बने इन छल्लों ने सदियों से खगोलविदों और अंतरिक्ष उत्साही लोगों को मोहित किया है, जो अपने विशाल आकार और सुंदरता से लोगों को खुश करते रहे हैं। हालांकि, इस सप्ताह, शनि के प्रतिष्ठित छल्ले अब धरती से नहीं दिखने वाले हैं।

क्या सच में गायब हो जाएंगे शनि ग्रह के छल्ले?

आपको बता दें कि वह गायब नहीं हो रहे हैं, बल्कि पृथ्वी और शनि के संरेखण द्वारा बनाए गए ब्रह्मांडीय झंम के कारण ही छल्ले अदृश्य दिखाई देंगे। यह अस्थायी घटना तब होती है जब हमारे ग्रह और शनि के बीच का कोण छल्लों को किनारे पर दिखाई देता है, जिससे वे हमारे सुविधाजनक स्थान से अदृश्य हो जाते हैं। इसे सरल भाषा में समझें तो शनि ग्रह की रिंग हमारी लाइन ऑफ साइट के साथ पूरी तरह से एक लाइन में आ जाती है। यानी हम जिस प्णाल से देखते हैं, ठीक उसी लाइन में सीधी खड़ी हो जाती है। इस वजह से ये रिंग पृथ्वी से हमें नजर नहीं आती। अगर और आसानी से समझना है तो मान लीजिए कि यह रिंग कोई सिक्का है और इसे आपने अपने आंखों के ठीक आगे ऐसे खड़ा किया है कि आपको इसकी गोल सतह नहीं, बल्कि एक पतली सी लाइन सी दिख रही. ऐसा ही शनि की रिंग के साथ होता है।



- देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने में प्रथम
- 56 लाख+ परिवारों के लिए पक्के आवास
- पीएम किसान सम्मान निधि के क्रियान्वयन में प्रथम
- 1.86 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन का वितरण
- स्ट्रीट वेंडर्स को पीएम स्वनिधि ऋण वितरण में प्रथम
- सर्वाधिक 2.75 करोड़ शौचालयों का निर्माण

उत्तर प्रदेश नं. 1

- 15 करोड़ नागरिकों को निःशुल्क राशन का वितरण
- 60 लाख माताओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना सहायता
- 1.58 करोड़ घरों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन
- 9 करोड़ लोगों को ₹5 लाख तक का निःशुल्क उपचार
- 9.57 करोड़ लोगों का जन धन बैंक खाता
- 1 करोड़ परिवारों को धरोनी प्रमाण पत्र वितरित

खुशहाल किसान, यूपी की पहचान

- पहली कबिनेट का पहला निर्णय: ₹36,359 करोड़ का फसल ऋण मोचन, 94 लाख किसान लाभान्वित
- खाद्यान्न उत्पादन : वर्ष 2016-17 में 557.46 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 668.39 लाख मीट्रिक टन (20% वृद्धि)
- सिंचन क्षमता: वर्ष 2017 तक 82.58 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 131 लाख हेक्टेयर, 976 परियोजनाएं पूर्ण
- रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान : 2017 से अब तक ₹2.80 लाख करोड़ का भुगतान, पिछले 22 वर्षों में हुए कुल भुगतान से ₹66 हजार करोड़+ अधिक
- चीनी मिल : 3 नयी चीनी मिल, 6 चीनी मिलों का पुनर्संचालन, 38 चीनी मिलों का क्षमता विस्तार
- अनाज खरीद : बिचौलियों को बाहर किया, ₹43,424 करोड़ गेहूं मूल्य एवं ₹88,746 करोड़ धान मूल्य का भुगतान
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना : 2.86 करोड़ किसानों को ₹80,000 करोड़+ हस्तांतरित
- प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अन्तर्गत 73,924 सोलर पंपों की स्थापना

सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश

- महिलाओं के लिए पुलिस में 20 प्रतिशत पद, 1.38 लाख+को सरकारी नौकरी
- 10 लाख+ स्वयं सहायता समूह से 1 करोड़+ महिलाओं को रोजगार
- महिला वर्क फोर्स : 2017 में 14.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 35.1 प्रतिशत हुआ
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना : 1.86 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन, होली व दीपावली पर मुफ्त एलपीजी सिलेंडर रीफिल
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना : 22.11 लाख बालिकाएं लाभान्वित
- निराश्रित महिला पेंशन योजना : 33.55 लाख महिलाएं लाभान्वित
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना : 4.22 लाख जोड़ों का विवाह संभ्रम, धनराशि ₹51 हजार से बढ़कर ₹1 लाख
- आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों व सहायिकाओं के मानदेय में वृद्धि, 3.73 लाख महिलाएं लाभान्वित
- बी.सी. सस्वी : 39 हजार+ ने 31,626 करोड़ का लेनदेन किया, 85.81 करोड़ लाभार्थी

काम दमदार, युवाओं को रोजगार

- 2017 में प्रति व्यक्ति आय ₹46 हजार से बढ़कर 2024 में ₹1 लाख 24 हजार
- बेरोजगारी दर : 2016 में 18 प्रतिशत युवा बेरोजगार, 2024 में बेरोजगारी दर घटकर 3 प्रतिशत
- निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया : 8.5 लाख+ सरकारी नौकरी, 3.75 लाख+ संविदा पर नियुक्ति
- MSME एवं निजी क्षेत्र में 2 करोड़+ रोजगार एवं ODOP योजना से 2.54 लाख+ रोजगार
- मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 2.27 लाख+ युवाओं को रोजगार
- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत 10 लाख नये उद्यमी तैयार करने का लक्ष्य

सबके साथ सरकार

- 3,213 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा, 1,630 पर कार्य प्रगतिशील
- अनुसूचित जाति (पूर्व दशम) के 32,49,854 छात्र-छात्राओं को ₹708.49 करोड़ छात्रवृत्ति
- अनुसूचित जाति (दशमोत्तर) के 89,31,203 छात्र-छात्राओं को ₹9,662.25 करोड़ छात्रवृत्ति
- पिछड़ा वर्ग (पूर्व दशम) के 62,79,519 छात्र-छात्राओं को ₹1,28,627.48 करोड़ छात्रवृत्ति
- पिछड़ा वर्ग (दशमोत्तर) के 1,31,05,263 छात्र-छात्राओं को ₹7,62,524.03 करोड़ छात्रवृत्ति
- सामान्य वर्ग (पूर्व दशम) के 8,58,750 छात्र-छात्राओं को ₹221.95 करोड़ छात्रवृत्ति
- सामान्य वर्ग (दशमोत्तर) के 48,13,347 छात्र-छात्राओं को ₹5,499.86 करोड़ छात्रवृत्ति

स्वास्थ्य का उपहार

- आयुष्मान भारत : 9 करोड़ लोगों को ₹5 लाख तक का मुफ्त चिकित्सा बीमा
- 80 मेडिकल कॉलेज संचालित, 11,300 एमबीबीएस सीटों की वृद्धि
- गोरखपुर एवं रायबरेली में एम्स, लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय
- महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- 22,681 आरोग्य मंदिर का संचालन



सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश



UPGovtOfficial



CMOUttarpradesh



CMOfficeUP

जम्मु के कठुआ में चलाया जा रहा है सेना का सर्च ऑपरेशन

एजेंसी ►► नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच रविवार को मुठभेड़ हुई। 3 घंटा चला एनकाउंटर रात होने के कारण रोका गया। सोमवार सुबह होते ही सेना ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की जॉइंट टीम मोर्चा संभाले हुए है। नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हिरानगर सेक्टर में सुरक्षाबल आतंकियों को सर्च कर रहे हैं। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। पंजाब के जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है।

खबर संक्षेप

दुष्कर्म से बचने के लिए महिला चलती ट्रेन से कूदी

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में 23 वर्षीय महिला दुष्कर्म से बचने के लिए चलती ट्रेन से कूद गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। जीआरपी ने बताया कि राजकीय गांधी अस्पताल में महिला का इलाज किया जा रहा है। उसने पुलिस को रविवार को बताया था कि यह घटना 22 मार्च की शाम को हुई थी। पीड़िता के साथ यह घटना उस दौरान हुई जब वह सिकंदराबाद से मेडचल जा रही एमएमटीएस ट्रेन के महिला डिब्बे में अकेले यात्रा कर रही थी।

पाक: 53 अफगान बच्चों को किया डिपोर्ट

पेशावर। पाकिस्तान में खैबर जिले की सीमा के जरिए अवैध रूप से देश में आए 53 अफगान बच्चों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि इन बच्चों ने काम की तलाश में पाकिस्तान में घुसने के लिए सीमा पर लगी बाड़ को काट दिया था। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों को रविवार को अफगानिस्तान के प्राधिकारियों को सौंप दिया गया। तोरखम सीमा चौकी पर तैनात अधिकारियों ने इन अफगान बच्चों की वापसी सुनिश्चित की।

एनएचएआई के जीएम ले रहे थे 15 लाख घूस, सीबीआई ने रंगे हाथ पकड़ा

एजेंसी ►► पटना

रुपए कैश भी बरामद किए गए हैं। सीबीआई ने मामले में बताया कि आज एनएचएआई के जीएम समेत 4 आरोपियों और एक निजी कंपनी के महाप्रबंधक समेत तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों ने एनएचएआई के अनुबंधों/कार्यों से संबंधित बिलों को संसाधित करने और पास करने में अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए अवैध रूप से 15 लाख रुपए की रिश्वत का तुरंत आदान-प्रदान किया।

एर्दोगान के प्रतिद्वंद्वी को जेल में डालने के विरुद्ध प्रदर्शन हिरासत में कई पत्रकार



एजेंसी ►► इस्तांबुल

तुर्किये की राजधानी इस्तांबुल के महापौर और राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगान के कट्टर विरोधी को कैद किए जाने के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच अधिकारियों ने कई पत्रकारों को हिरासत में ले लिया। एक मीडिया कर्मचारी संघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अदालत ने रविवार को महापौर एक्रमे इमामोग्लू को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने और भ्रष्टाचार के आरोपों पर मुकदमा चलाने तक उन्हें जेल में रखने का आदेश दिया था। इमामोग्लू को बुधवार को हिरासत में लिये जाने के बाद बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर गये, जो एक दशक से भी अधिक समय में सबसे बड़ा प्रदर्शन है। ऐसे में देश में लोकतंत्र एवं कानून के शासन को लेकर गहरी चिंता उत्पन्न हो गयी है।

अब तक 1133 हिरासत में

गृह मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि 19 मार्च को महापौर को उनके घर से गिरफ्तार किया गया और तब से अब तक कुल 1133 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शनों में 123 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि तेजाब, बम और चाकू जैसी खतरनाक हथियार जल्दा किये गये हैं। येरलिकाया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, 'कुछ लोग इकट्ठा होने और प्रदर्शन के अधिकार का दुरुपयोग कर रहे हैं, सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित, सड़कों पर अशांति फैलाने और हमारी पुलिस पर हमला करने का प्रयास कर रहे हैं।'

गली-गली आतंकियों को ढूंढ रहे सुरक्षाबल, पंजाब के जिलों में हाई अलर्ट

मुठभेड़ में बची घायल

जानकारी के मुताबिक, एलओसी से 5 किमी दूर साय्याल गांव में 4-5 आतंकियों के छिपे होने की खबर थी। सूचना मिलने के बाद सेना ने सर्च ऑपरेशन चलाया। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को चारों ओर से घेर लिया। आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच आंधे घंटे से अधिक समय तक गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि सात वर्षीय बच्ची आंचल कुमार को चोट पहुंची है। उस स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है। हालांकि, अभी तक बच्ची को चोट पहुंचने के सही कारण का पता नहीं चल पाया है।

एलओसी से 5 किमी दूर गांव में आतंकियों के छुपे होने की मिली थी जानकारी



तीन को आतंकियों ने बनाया बंधक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनीता देवी (48), अपनी बेटी और पति के साथ लकड़ी इकट्ठा करने के लिए पोधशाला गए थे। वहां आतंकवादियों ने हथियार के बल पर तीनों को बंधक बना लिया। मौका मिलने पर महिला ने बच्ची के साथ भागना शुरू किया। आतंकियों ने उसे गोली मारने की धमकी दी, लेकिन वो दोनों भागती रहीं। आतंकवादियों ने रोकने की कोशिश की, लेकिन मैं चिल्लाने लगी, जिससे घास काट रहे दो और लोगों का ध्यान उनकी ओर गया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद महिला का पति भी आतंकियों के चंगुल से भाग निकला था। इस दौरान बच्ची की मामूली चोटें आईं।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की है विवादित टिप्पणी कामरा के वीडियो से बवाल, शिवसैनिकों ने की होटल और स्टूडियो में तोड़फोड़

एजेंसी ►► मुंबई

कॉमेडियन कुणाल कामरा को डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी करना भारी पड़ गया। कुणाल के महाराष्ट्र की राजनीति पर बनाए गए वीडियो से बवाल मच गया। कुणाल ने वीडियो में बिना नाम लिए एकनाथ शिंदे का मजाक उड़ाया है। रविवार (23 मार्च) को वीडियो सामने आते ही शिवसैनिक नाराज हो गए। गुस्साए शिंदे गुट के शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुंबई के स्टूडियो और होटल यूनिवर्सिटी में तोड़फोड़ की। मुंबई के एमआईडीसी पुलिस थाने में कामरा के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। कार्यकर्ताओं की मांग है कि कुणाल कामरा को तुरंत अरेस्ट किया जाए। शिंदे समर्थकों ने मुंबई के एमआईडीसी पुलिस थाने में कामरा के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है।



कुणाल पर एफआईआर

शिंदे सेना विधायक मुराजी पटेल कुणाल कामरा के खिलाफ एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। शिवसेना नेता राहुल कनाल ने खार पुलिस स्टेशन में कुणाल कामरा, आदित्य ठाकरे, संजय राउत और राहुल गांधी के खिलाफ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का अपमान करने और उन पर सोशल मीडिया पर लगातार हमला करने के लिए बीएनएस की उचित धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है।

यह है विवादित गीत

कुणाल कामरा ने एक गाना गाया है। कामरा ने गाया-ठाणे की रिक्शा चेहरे पर दाढ़ी, आंखों पर चश्मा हाय। एक झलक दिखाए कमी, गुवाहाटी में छुप जाए। मेरी नजर से तुम देखो गद्दार नजर वो आए। ठाणे की रिक्शा, चेहरे पर दाढ़ी, आंखों ओआ चश्मा हाय। मंत्री नहीं हैं वो दल बदलू हैं और कहा क्या जाए, जिस थाली में खाये उसमें ही वो छेद कर जाए। मंत्रालय से ज्यादा फडणवीस की गोदी में मिल जाए। तीर कमना मिला है इसको बाप मेरा ये चाहे ठाणे की रिक्शा चेहरे पर दाढ़ी, आंखों पर चश्मा हाय।

किसने क्या कहा

जो गद्दार है वो गद्दार है गाने में कोई कमी नहीं

कुणाल कामरा की कॉमेडी को लेकर यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुणाल कामरा ने कुछ गलत कहा है। जो गद्दार है वो गद्दार है। उसके गाने में कोई कमी नहीं है। पूरा गाना सुनें और दूसरों को भी सुनाएं। उद्धव ने कहा कि शिवसेना का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं है। जिनके खून में 'गद्दारी' है वह कभी शिवसैनिक नहीं हो सकते।

जनता ने बता दिया कि गद्दार कौन- फडणवीस

जिस प्रकार से स्टैंडअप कॉमेडियन कामरा ने एक गीत के माध्यम से महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अपमानित करने का प्रयास किया है, यह गलत है। हम उसकी निंदा करते हैं। ऐसी चीजों को सहन नहीं किया जा सकता। कामरा को पता होना चाहिए कि जनता ने 2024 के चुनाव में फैसला कर दिया है कि कौन गद्दार है? बालासाहेब ठाकरे की विरासत एकनाथ शिंदे के पास है। उस पर जनता की मोहर लगी है। कुणाल कामरा माफी मांगनी चाहिए।

‘अगर एजुकेशन सिस्टम आरएसएस के कब्जे में आ गया तो देश बर्बाद हो जाएगा’



कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लगाया बड़ा आरोप

लोक्सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को जंतर-मंतर पर एनईपी 2020, यूजीसी ड्राफ्ट नियमों और पेपर लीक के खिलाफ इंडिया गठबंधन के छात्रों की तरफ से आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इसमें राहुल गांधी ने कहा कि एक संगठन भारत के भविष्य और एजुकेशन सिस्टम को खत्म करने की कोशिश में लगा हुआ है। उस संगठन का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'सच्चाई है कि अगर हमारा एजुकेशन सिस्टम उनके हाथों में चला गया जो धीरे-धीरे जा भी रहा है तो यह देश बर्बाद हो जाएगा। इस देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा और यह देश खत्म हो जाएगा। मुझे बहुत खुशी है कि सारे

देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी

कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री ने कुंभ मेल के बारे में बात की थी। मैं उनसे कहना चाहता था कि कुंभ मेल पर बोलना अच्छी बात है लेकिन उन्हें भविष्य के बारे में भी बोलना चाहिए। उन्हें बेरोजगारी के खिलाफ बोलना चाहिए।

के सारे छात्र संगठन आज यहां पर आए हैं क्योंकि आप की जिम्मेदारी बनती है कि देश के छात्रों को बताया जाए कि आज हिंदुस्तान की यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आरएसएस नॉमिनेटड हैं और आने वाले समय में स्टेट यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर भी आरएसएस के नॉमिनेशन से बनेंगे।'

सांसदों की बल्ले-बल्ले, बढ़ गई सैलरी

राहुल गांधी ने प्रदर्शन करने वाले छात्रों से कहा कि आप इंडिया गठबंधन के छात्र हैं, हमारी विचारधाराओं और नीतियों में कुछ मतभेद हो सकते हैं लेकिन हम देश के एजुकेशन सिस्टम पर कभी समझौता नहीं कर सकते। हम इस लड़ाई को एक साथ लड़ेंगे और आरएसएस को पीछे धकेलेंगे। गांधी ने आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में टीचर्स और एकेडमिक स्टाफ की नियुक्ति पर यूजीसी के मसौदा नियम आरएसएस के एजेंडे को बढ़ावा देने की एक कोशिश है, जिसका उद्देश्य देश पर एक इतिहास, एक परंपरा, एक भाषा को थोपना है।

जालिम लोशन

दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए

मेडिकल से आज ही खरीदें E-mail for Dealership at zalmion1929@gmail.com

MARUTI SUZUKI ARENA

GET YOUR SWIFT BEFORE THE PRICE HIKE IN APRIL. DON'T MISS OUT. THE TIME IS NOW.

BUY BEFORE PRICE HIKE OF UP TO 4%

Z12E ENGINE 25.75 km/l

6 AIRBAGS STANDARD ACROSS ALL VARIANTS

SMARTPLAY PRO+ INFOTAINMENT SYSTEM

WIRELESS CHARGER

REAR AC VENT

3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

BENEFITS UP TO ₹76 100**

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.MARUTISUZUKI.COM

SWIFT

खबर संक्षेप

जिंदल रिन्यूएबल को मिली एनएचपीसी से परियोजना



नई दिल्ली। जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी ने सोमवार को कहा कि उसे सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी से 300 मेगावाट की सौर ऊर्जा एवं भंडारण परियोजना के लिए स्वीकृति पत्र मिला है। परियोजना को बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने के 24 महीने के भीतर बनाओ, स्वामित्व रखे और चलाओ आधार पर तैयार किया जाएगा।

स्टार्टअप कंपनियों ने 2.5 अरब डॉलर वित्त जुटाया



नई दिल्ली। भारत की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों ने 2025 की पहली तिमाही में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। यह राशि इससे पिछली तिमाही की तुलना में 13.64 प्रतिशत और सालाना आधार पर 8.7 प्रतिशत अधिक है। बाजार आसूचना मंच ‘ट्रैक्सन’ की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

सोना 700 रुपए टूटा, चांदी 200 रुपए तेज

नई दिल्ली। आभूषण विक्रेताओं और स्टोकिस्टों की सतत बिकवाली के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सराफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 700 रुपये टूटकर 90,550 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई इसऊदी अरब में यूक्रेन और अमेरिकी अधिकारियों के बीच वार्ता के मद्देनजर संभावित रूस-यूक्रेन शांति समझौते की उम्मीदों के बीच हालिया तेजी के बाद व्यापारियों ने लंबे जमा सौदों की कटान और मुनाफावसूली करना जारी रखा। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार को 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।



Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur, Chhattisgarh
Center for Basic Sciences,
Admission Notice (CBS-EST-2025)
5-Year Integrated M.Sc. Program



The Entrance test for admission to the 5-Year Integrated M.Sc. program in basic sciences- Physics, Zoology, Botany Chemistry, and Mathematics at the Center for Basic Sciences (CBS), Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh, will be conducted by Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. The selected candidates will be called for counseling and admission will be strictly done according to the merit list. The candidates admitted to the 5-year Integrated M.Sc. program are eligible for a scholarship of Rs. 5000/- per month (for 40 seats with scholarship). The details of the entrance test, mode of payment, online application, and other details can be found on website www.prsu.ac.in.

Educational qualifications: Candidates seeking admission to the Center for Basic Sciences for the academic session 2025-26 should be from the science stream (having any combination of Biology/Chemistry/Mathematics/Physics) in class XII. Candidates who have passed the class XII examination or equivalent from any recognized Board in India or are appearing in, 2025 can appear in the entrance examination. Candidates securing at least 60% marks in aggregate or equivalent grade in class 12th examination will be eligible for admission to CBS. For candidates belonging to scheduled cast (SC) and scheduled tribe (ST) categories, the minimum requirement of marks is 55% in aggregate.

No. of seats & reservations: For the academic session 2025-26, the total no. of seats 60 [40 seats with scholarship [20 (PCB) & 20 (PCM)] & 20 Payment Seats without scholarship [10 (PCB) & 10 (PCM)]. The no of seats reserved for SC, ST & OBC (Non-Creamy-Layer) in EST is according to the Government of Chhattisgarh norms.

Syllabus: The syllabus for the entrance test primarily follows the science syllabus of classes XI-XII. Refer to Information Bulletin for a detailed syllabus. The language of the question paper will be English & Hindi.

How to apply: To apply for the entrance examination candidates can fill out the application form online on or before April 25, 2025, through the link: <http://prsuniv.in> or www.prsu.ac.in.

Application fee: The application fee for the candidates of the Unreserved/OBC category is Rs. 1000/- The application fee for SC/ST candidates is Rs. 550/- for queries contact us at Phone: 0771-2262216; Email: cbpsrsu@gmail.com.

Important dates:

1. Start of the online application process: March 25, 2025
2. Closing date of online submission of application forms: April 25, 2025
3. Downloading of Admit card (online) starts from: May 02, 2025
4. Entrance test dates and time: **May 20, 2025 [Tuesday], 11:00 AM to 2:00 PM**
5. Declaration of Results: May 28, 2025
6. Counselling Date: June 17, 2025 for the UR category, June 19, 2025 for the reserved category and June 23, 2025 for the payment seat.

S-43329/2

Registrar

POLICE HEADQUARTERS, CHHATTISGARH, ATAL NAGAR, NAVA RAIPUR

(2nd Call)

Notice Inviting Tender

No. PHQ/SIB/Sec-9/853/2025 Raipur, Dated: 20 /03/2025

Sealed tenders are being invited by the Director General of Police, Chhattisgarh on behalf of Governor of Chhattisgarh from manufacturers (OEM) or authorized firm of manufacturer's (only one firm) for the following item -

Sl. No.	Name of Items	Qty.(No.)	EMD in Rs.
1	Naxal & Criminal Profile Database Analysis Systems	01	1,00,000/-

Note - Quantity will be variable.

The tender offer in the prescribed tender form along with all the relevant documents sealed and completed in all the respect, must be submitted as per the schedule below -

SCHEDULE FOR TENDER

a) Address for submission of Tender Document:-	Block No.-4, Ground floor, SIB, Police Headquarters, Sector 19, Nava Raipur, Chhattisgarh
b) Last Date and Time of Submission on Bids	11/04/2025 till 03.00 pm
c) Place, Time and Date of opening Technical Bid :-	Block No. 1, Room No.105 Police Headquarters, Sector 19, Nava Raipur, Chhattisgarh 11/04/2025 at 4:00 pm
d) Place, Time and Date of opening Financial Bid :-	shall be intimated later.
e) Date till which the Bid to remain valid	180 days from the last date of submission of the Bid. The validity period will be extended with mutual consent.

Note-1. In case of tender opening date being declared as holiday, tenders will be opened on next working day. 2.Tender documents can be downloaded from our website www.cgpolice.gov.in and at the time of submission of document tender fee of Rs. 3000/- will be paid in the form of DD of State Bank of India/Scheduled Bank (other than Cooperative Bank) payable at Raipur in favour of Director General of Police, Chhattisgarh, Police Headquarters, Atal Nagar Raipur Or State Govt. Challan of Rs. 3000/- to be deposited in the Head of A/c- 0055-Police- 800- other receipt. Tender fee is non refundable and can't be exempted in any condition. 3.Modification/Amendments/Corrigendum, if any shall not be advertised on the news paper but shall be published in the aforesaid web site only and the time of submission of bid will also be extended if required. 4.If any bidder sends tender documents through Courier/Speed post, the tender documents will be accepted till 03.00 pm on 11/04/2025 at Block No.-4, Ground Floor, SIB, Police Headquarters, Sector 19, Nava Raipur, Chhattisgarh only. Received tender documents in any other address at PHQ on stipulated date and time, will not be accepted.

I.G. of Police (SIB)

For-Director General of Police

G-242506125/1

सेबी के निदेशक मंडल की बैठक में प्रस्ताव को मिली मंजूरी

सेबी ने एफपीआई के लिए डिस्कलोजर की सीमा को बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपए किया

एजेंसी ►► मुंबई

बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल ने सोमवार को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की तरफ से विस्तृत खुलासे के लिए निवेश सीमा को दोगुना करके 50,000 करोड़ रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

इस कदम का उद्देश्य अपरिवर्तित रहने वाले शेंयरधारिता मानदंड में बदलाव न करते हुए भी बदलते हुए बाजार की गतिशीलता का ध्यान रखना है। फिलहाल 25,000 करोड़ रुपये से अधिक प्रबंधन-अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) वाले एफपीआई के लिए अपने सभी निवेशकों या हितधारकों का विस्तृत विवरण अंतर्निहित विश्लेषण के आधार पर देना जरूरी है।

कारोबार की मात्रा हुई दोगुनी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने यहां कहा, “वित्त वर्ष 2022-23 और चालू वित्त वर्ष (2024-25) के दौरान नकद इक्विटी बालनों में कारोबार की मात्रा दोगुनी से अधिक हो गई है। इसे ध्यान में रखते हुए निदेशक मंडल ने लागू सीमा को मौजूदा 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।”

अब अतिरिक्त खुलासे करने की जरूरत होगी : पांडेय ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद कहा, “इस तरह से भारतीय बाजारों में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक इक्विटी एयूएम रखने वाले एफपीआई को अब अतिरिक्त खुलासे करने की जरूरत होगी। नवगठित चेयरमैन पांडेय की अगुवाई में यह निदेशक मंडल की पहली बैठक थी।

अतिरिक्त खुलासा शर्तों पर दी गई छूट : कुछ एफपीआई, जिनमें विस्तारित निवेश आधार वाले व्यापक-आधारित, पूल संचयन वाले या सरकार या सरकार से जुड़े निवेशकों द्वारा स्वामित्व हित रखने वाले एफपीआई शामिल हैं, को कुछ शर्तों के अधीन ऐसी अतिरिक्त खुलासा शर्तों से छूट दी गई है।



भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

- एफपीआई की ओर से विस्तृत खुलासे के लिए निवेश सीमा दोगुनी
- नकद इक्विटी बाजारों में कारोबार की मात्रा दोगुनी से अधिक हो गई
- मौजूदा लागू सीमा 25,000 करोड़ रुपए को बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपए की

निवेश सलाहकार ले पाएंगे एक साला का अग्रिम शुल्क

पूजी बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को निवेश सलाहकारों और शोध विश्लेषकों को एक साल तक अग्रिम शुल्क लेने की अनुमति देने का फैसला किया। मौजूदा नियमों के तहत निवेश सलाहकार (आईए) ग्राहक की सहमति होने पर दो तिमाहियों तक के लिए अग्रिम शुल्क ले सकते हैं।

बदलाव का स्वागत

सेबी ने कहा कि उद्योग की कई वित्ताओं को दूर करने के लिए पहले भी आईए और आरए से संबंधित नियमों को युक्तिसंगत बनाया गया था। ज्यादातर बदलावों का उन्होंने स्वागत किया है। बाजार नियामक ने कहा कि हालांकि शुल्क संबंधी कुछ प्रावधानों पर चिंताएं बनी हुई थीं, जो आईए और आरए द्वारा अग्रिम शुल्क लेने को छह महीने या तीन महीने तक सीमित करती हैं।

ग्राहकों का सहमत होना जरूरी

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने यहां कहा, “इन वित्ताओं को दूर करने के लिए, बोर्ड ने फैसला किया कि अगर ग्राहक सहमत हों, तो आईए और आरए एक साल तक अग्रिम शुल्क ले सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शुल्क सीमा, गुणवत्ता विधि, धन वापसी से संबंधित अनुपालन आवश्यकताएं केवल व्यक्तिगत और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) वाले ग्राहकों पर लागू होंगी।

आईएलएंडएफएस को मिला कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। आईएलएंडएफएस इंजीनियरिंग सर्विसेज ने सोमवार को कहा कि उसे इंडियन ओवरसीज बैंक से कारण बताओ नोटिस मिला है। यह नोटिस कंपनी के ऋण खाते को संदिग्ध धोखाधड़ी खाते के रूप में वर्गीकृत करने की समीक्षा के लिए है। आईएलएंडएफएस इंजीनियरिंग ने शेयर बाजार को बताया कि इसमें 123 करोड़ रुपये की सेवाएं शामिल हैं। बैंक ने अनियमितताओं की मात्रा तय नहीं की है। अपनी फरिसिफ ऑफ्टर रिपोर्ट में इन अनियमितताओं को पाया था। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के नामित निदेशकों वाले नए बोर्ड की पुनर्गठित ऑफ्टर समिति ने आईएलएंडएफएस लिमिटेड और इसकी कुछ समूह कंपनियों के सभी बड़े लेनदेन के लिए एक विशेष ऑफ्टर किया था।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता Annexure-II

ग्रामीणी यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

ई मेल पता:- ee-res_Dantewada@nic.in

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना तृतीय बार

: निविदा क्रमांक- 14

क्रमांक / 304 / लेखा / ग्रा.या. सेवा / 2025 दन्तेवाड़ा, दिनांक 24/3/2025

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु मैनुअल निविदा प्राप्त दिनांक 03/04/2025 तक संख्या 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की लागत (रू. लाख में)
1	2	3
1	प्राथमिक शाला डोंगरपारा तेलम में नवीन भवन निर्माण कार्य (विद्युतीकरण छोड़कर)	14.54 लाख
2	प्राथमिक शाला गोलापारा मोखपाल एवं कोटवापारा छोटेगुडरा में नवीन भवन निर्माण कार्य (विद्युतीकरण छोड़कर)	29.08 लाख
3	प्राथमिक शाला मिचनौदीपारा गुड़से एवं ईतापारा गुड़से में नवीन भवन निर्माण कार्य (विद्युतीकरण छोड़कर)	29.08 लाख
4	प्राथमिक शाला कोरीपारा गुड़से एवं जंगलपारा चिकपाल में नवीन भवन निर्माण कार्य (विद्युतीकरण छोड़कर)	29.08 लाख
5	प्राथमिक शाला जंगलपारा परनेली एवं स्कूलपारा बड़ेगादम में नवीन भवन निर्माण कार्य (विद्युतीकरण छोड़कर)	29.08 लाख
6	प्राथमिक शाला पटेलपारा बड़ेगादम एवं लिम्बुडीहपारा प्रतापगिरी बड़ेगादम में नवीन भवन निर्माण कार्य (विद्युतीकरण छोड़कर)	29.08 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापित निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागिया वेब साईट <http://res.cg.gov.in> में दिनांक 25/03/2025 से 28/03/2025 तक निशुल्क डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता

ग्रामीणी यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा

जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

G-242506128/2

3एफ ऑयल, पाम प्रिसिजन फार्मिंग तकनीक बढ़ाएगी

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छतीसगढ़)

-- ई-प्रोक्चुरमेंट निविदा सूचना -- दिनांक :- 21.03.2025

निम्नांकित कार्यो हेतु ऑनलाइन निविदा “डी” श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारो हेतु प्रथम निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 09.04.2025 तक है।

एन.आई.टी. क्र./ निविदा क्र.

1	2	3
NIT NO. 443 Tender no. 166183	जिला न्यायालय महासमुंद में ग्रैंडिंग एवं वाटर प्रुफिंग का कार्य।	रू. 14.40 लाख
NIT NO. 444 Tender no. 166184	जिला महासमुंद के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत स्व. श्री राजा विरेन्द्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय सरायपाली के ब्लॉक न. 2 में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	रू. 21.85 लाख
NIT NO. 445 Tender no. 166186	बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम सम्हाराडीह में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण कार्य।	रू. 25.45 लाख
NIT NO. 446 Tender no. 166188	कसडोल अनुविभाग अंतर्गत तहसील कार्यालय भवन सोनाखान का निर्माण कार्य।	रू. 65.40 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापित निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्चुरमेंट वेब पोर्टल <https://eproc.cgstate.gov.in> अथवा विभागिया वेबसाइट <https://eproc.cgstate.gov.in> से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्युडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्युडिशियल स्टाम्प पर एनक्चर-3 का शपथ पत्र, बिडकेपेसीटी उपलब्धता ब्राबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।) निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अधीक्षण अभियंता

लो.नि.वि रायपुर मण्डल क्र.- 2 (छ.ग.)

आपकी थी चाहिए, हमने बनाई राह

G -242506113/2

प्याज पर निर्यात शुल्क हटाने से किसानों की बढ़ेगी आमदनी



एजेंसी ►► नई दिल्ली

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि एक अप्रैल से प्याज के निर्यात पर 20 प्रतिशत सीमा शुल्क हटाने के सरकार के फैसले से किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

चौहान ने एक वीडियो बयान में कहा, “प्याज के निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा, ताकि हमारे किसानों ने कड़ी मेहनत से जो प्याज उगाया है, वह वैश्विक बाजारों तक पहुंच सके और उन्हें बेहतर कीमत मिल सके। कृषि मंत्री ने कहा कि

- अब प्याज के निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा
- पहले निर्यात शुल्क 40 फीसदी तय किया गया था

पहले निर्यात शुल्क 40 प्रतिशत तय किया गया था, लेकिन जब प्याज की कीमतें गिरने लगीं और किसानों को कम प्रतिफल मिलने लगा, तो इसे घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया था। उन्होंने कहा, “अब सरकार ने फैसला किया है कि 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क भी पूरी तरह से हटा दिया जाना चाहिए।”

1 अप्रैल से पूरी तरह से हटा दिया जाएगा

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER INDRAMATI PROJECT CIRCLE, JAGDALPUR (CHHATTISGARH)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE

eProcurement Portal: <https://eproc.cgstate.gov.in> (Third Call)

System Tender No. 165944/ NIT No.: 05/SAC/24-25 Dated: 21.03.2025

Online Tenders are invited for the following works up to 07.04.2025 at 17.30 Hours.

Name of work - Construction of Sub Divisional Officer Office Building, Residential Building and Boundary Wall at Block Keshkal, District Kondagaon.

Probable Amount of Contract- Rs. 109.43 Lakhs

(As per S.O.R dated 01.08.2010 and amended upto dated 22.08.2002).

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal (<https://eproc.cgstate.gov.in>) from **Date 28.03.2025, at 17.31 Hours.** (IST) onwards.

NOTE - All eligible/intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e- procurement portal (<https://eproc.cgstate.gov.in>) and get approval on specific vendor class from PWD under Centralized Contractor/Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.

Executive Engineer

Water Resources Division, Kondagaon

For, Superintending Engineer

Indrawati Project Circle, Jagdalpur (C.G.)

G-242506119/2



JHAIGO Cream

झाईगो 5+1

चेहरे को दमों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...

क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है ? आंखों पर काले घेरे हैं ? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं ?

तो फिर क्या... बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।

अधीक्षण अभियंता

लो.नि.वि रायपुर मण्डल क्र.- 2 (छ.ग.)

आपकी थी चाहिए, हमने बनाई राह

G -242506113/2

हरीभूमि

HEALTH CARE

छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाँझ, सूरियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट

सिंधानिया स्किन केयर

36, प्रधान तार, गुरुकुल कॉलेज रोड, कांलीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania11@yahoo.co.in

Makeover

Skin, Hair & Aesthetic Care

मो. 94252-14479 0771-4020411

www.makeoverraipur.com

रत्ना व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअल्शेन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल

डॉ. जाऊलकर

ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)

सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी रायपुर (छ.ग.)

फोन: 0771-4044551

समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

उपलब्ध विशेषताएं

- रोसाकोमिक एवं जवहर लसरी
- जवहर लसरी एवं ऑक्सीजन
- जोड़ प्रत्यारोपण लसरी
- ऑक्सीजन (लसरीकरण)
- मायरोलेजर (लसरीकरण)

अग्रवाल हॉस्पिटल

(मल्टीस्पेशियलिटी सेंटर)

जी.ई.टी.डी, ग्रा.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)

फोन: +91 0771 4088107/108, ईमेल:अग्रवाल नंबर 910871775, डॉ. अजय अग्रवाल 9329104037

अष्टविनायक हॉस्पिटल

बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।

* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड धारक ऑपरेशन सस्ते *

● आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) ● 97987225800, 9301744425

स्विचिंग : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एंड प्लास्टिक लाइकोफिक सर्जरी, जवहर लसरी, स्किन एंड ब्यूटी लसरी, आर्चो, कैंसर (कोलोरेक्टल व लसरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण

पाल जी

स्वास्तिक नर्सिंग होम

बर्न एंड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल (आयुष्मान भारत स्वप्न के तहत निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध)

मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

श्वाजनागर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांघा नदीन ड्राइव के पीछे

मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :

7987119756, 9303508130

मोतियाबिंद

आयुष्मान कार्ड सुविधा

SBI साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक

दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ

स्पेशलिस्ट : खासी, श्वास, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खरटी व नौद

गरवा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रिहायक अप्रत्यक्ष)

मनोरोम

नशा उन्मुलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक

मो. 9977247553

नया पता : शॉप नं. 119, प्रधान तार, लालनगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर

समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक

सिस्टर्द, मिनी, मानसिक तनाव, खराब हो, असाभाव्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर तरह के प्रश्न हसिवार को कवर्षा नें 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेतेरात नें

डायाबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायरॉइड, गोंटापा, प्रेग्नेंसी डायाबिटीज, फुलबॉडी टेक्अप, डायाबिटीक टेक्अप रोग, लसरी सुनुता।

डायाबिटिक क्लीनिक

Dr. Satyajeet Sahu Advance Diabetes & Thyroid care centre

17, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स, कांलीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. मनोज अग्रवाला

एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)

१ चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

बांठिया हॉस्पिटल

राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-2425009, 2424737

आयुष्मान भारत योजना

के अंतर्गत हार्ट की एंजियोप्लास्टी, एंजियोप्लास्टी एवं स्विचिंग मरीजों का इलाज

